जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 175 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 26 अप्रेल, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दो दशकों में पहली बार वैज्ञानिकों ने एक ऐसी चिड़िया के फोटो प्राप्त किए हैं जिसे लंबे समय तक विलुप्त मान लिया गया था। यैलो क्रैस्टेड हैलमैटश्राइक जिसे प्रियोनॉप्स हैलमैटश्राइक भी कहते हैं, को अमेरिकन बर्ड कंज़र्वैन्सी ने खोई हुई प्रजाति के रुप में सूचीबद्ध किया था। युनिवर्सिटी ऑफ टैक्सस के वैज्ञानिकों ने, अफ्रीका में ईस्टर्न डैमोक्रोटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो की पर्वत श्रृंखला, इटॉम्बवे मैसिफ में छः सप्ताहों के एक खोज अभियान के दौरान यह खोज की। अमेरिकन बर्ड कंन्ज़र्वैन्सी में ''लॉस्ट बर्ड प्रौजैक्ट'' के लीडर कैमरन रट ने कहा कि, उन्होंने हैलमैटश्राइक के फोटो देखकर इस पक्षी की पुनर्खोज की पुष्टी की है। वैज्ञानिकों की टीम को, पर्वत श्रृंखला में 75 मील की अपनी पैदल यात्रा के दौरान अचानक ही यह चिड़िया नज़र आई। चमकदार काले रंग की इस चिड़िया का सिर चमकीले पीले रंग का होता है जिसे देखकर लगता है मानो चिड़िया ने हैलमैट पहन रखा है। टीम ने कहा कि, जंगल के बीच चिड़ियों के इस अति सक्रिय व शोर करने वाले समूह को देखकर सब चकित रह गए। यह चिड़िया सैंट्रल अफ्रीका के एल्बरटाइन रिफ्ट की पश्चिमी ढलानों की मूल निवासी है। यह क्षेत्र, मुख्यतः युद्ध और सुरक्षा कारणों से अधिकतर लोगों की पहुँच से दूर रहा है लेकिन, पिछले कुछ समय से यह सुरक्षित स्थान हो गया है। खोज यात्रा के दौरान तीन स्थानों पर कुल 18 चिड़ियाँ नज़र आईं, जिससे यह उम्मीद बंधी है कि, इस क्षेत्र के दुर्गम स्थानों पर इस प्रजाति की अच्छी आबादी हो सकती है, जिसे कुछ दशकों से किसी ने नहीं देखा था।

राहुल व प्रियंका, अमेठी व रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे?

अगले दो दिन में कांग्रेस इस प्रश्न पर फाइनल निर्णय ले लेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रेल। राजनीतिक क्षेत्रों में चचाएं जोरों पर हैं कि, राहुल और संभवतः प्रियंका गाँधी अमेठी व रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

कहा जा रहा है कि, अगले दो दिनों में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा, क्योंकि, राहुल गाँधी वायनाड में व्यस्त हैं, जहाँ पर कल, दूसरे चरण में मतदान होगा।

अमेठी और रायबरेली के लिए नामांकन उसके बाद भरे जाएंगे।

यह बात स्पष्ट है कि, यदि गाँधी परिवार का कोई सदस्य अमेठी व रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ता है तो कांग्रेस दोनों सीटें खो देगी। पार्टी के चुनाव विश्लेषक, सुनील कानूगोलू द्वारा उक्त दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में करवाए गए सर्वे के अनुसार, कांग्रेस से केवल ये दोनों भाई-बहन ही नेहरू-गाँधी परिवार की इन पारिवारिक सीटों पर चुनाव जीत सकते हैं और वहाँ से जीतने की संभावना बहुत अच्छी है।

- **पार्टी के आंतरिक सर्वे के अनुसार कांग्रेस पार्टी, नेहरू-गांधी परिवार की पारिवारिक सीटों पर, इस बार जीत सकती है, अगर भाई-बहन, इन दोनों सीटों पर चुनाव लड़ते हैं।**
- **निर्णय लेने में दो दिन इसलिये लग रहे हैं, क्योंकि अगले दो दिन राहुल गांधी, वायनाड में बितायेंगे, जहां 26 तारीख को मतदान हैं।**
- **पार्टी के सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की टीमें दोनों सीटों पर काफी समय से काम कर रही हैं तथा जमीन तैयार कर रही हैं।**
- **भाजपा की ओर से स्मृति ईरानी पुनः अमेठी से उम्मीदवार होंगी।**
- **अगर, प्रियंका गांधी रायबरेली से पर्चा भरती हैं तो, भाजपा माधुरी दीक्षित, नूपुर शर्मा या मुलायम सिंह की पुत्र वधु को रायबरेली से चुनाव लड़ा सकती है।**

राहुल गाँधी, भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार चुके हैं, इसलिए वो यहाँ से चुनाव लड़ने के लिए अनिच्छुक रहे हैं।

कांग्रेस की टीमें काफी समय से इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान के लिए जमीन तैयार करने में लगी हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कई टीमें दिल्ली से लखनऊ व अमेठी के लिए निकल चुकी हैं।

अमेठी से तो स्मृति ईरानी पुनः चुनाव मैदान में हैं, वहीं, रायबरेली के लिए भाजपा किसी सशक्त उम्मीदवार की तलाश में है, जो कि, गाँधी परिवार का मजबूत गढ़ है, और इस वर्ष राज्यसभा के लिए चुने जाने से पहले सोनिया गाँधी वहाँ से सांसद थीं।

पता चला है कि, भाजपा ने, रायबरेली से चुनाव लड़ने के लिए वरूण गाँधी से संपर्क किया था, संभवतः प्रियंका गाँधी के विरूद्ध चुनाव मैदान में उतरने के लिए।

लेकिन, कहा जा रहा है कि, वरूण ने प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया है।

भाजपा जिन नामों पर विचार कर रही है, उनमें, सिने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित, भाजपा की नूपुर शर्मा तथा भाजपा में शामिल हुईं, मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधु अपर्णा यादव मुख्य हैं। भाजपा अभी भी विकल्पों की तलाश में है, जिसका निर्णय इस बात पर निर्भर करेगा कि, प्रियंका गाँधी वास्तव में चुनाव मैदान में उतरती हैं या नहीं।

प्रूफ है तो साबित करें-गहलोत

जोधपुर/जयपुर, 25 अप्रेल (का.प्र.)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने ओ एस डी रहे लोकेश शर्मा के आरोपों पर जवाब देने के साथ -साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहा कि, वह जिस तरीके से अपने भाषण में भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसे देखते हुए चुनाव आयोग को तुरंत

- **पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के उस बयान पर की, जिसमें उन्होंने कहा था कि, पेपरलीक में अशोक गहलोत सरकार शामिल थी।**

प्रभाव से पी.एम. के चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

गुरुवार को जोधपुर में, खुद के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा के पेपर लीक सहित अन्य आरोपों को लेकर गहलोत ने कहा कि, चुनाव जीतने के लिए हथकंडे अपनाए जाते हैं, हम उसकी परवाह नहीं करते हैं, सच्चाई क्या है, वो अलग बात है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गुरुवार को अशोक गहलोत सरकार पर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

रायबरेली से प्रियंका गांधी के सामने वरूण गांधी को उतारेगी भाजपा?

सूत्रों का कहना है कि, भाजपा पूर्व सांसद वरूण गांधी पर रायबरेली से प्रत्याशी बनने का दबाव डाल रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। भाजपा नेतृत्व रायबरेली लोकसभा चुनाव को गांधी बनाम गांधी की लड़ाई बनाना चाहता है। पीलीभीत के पूर्व सांसद वरूण गांधी पर उनकी चचेरी बहन (कज़न), प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ, रायबरेली से चुनाव लड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। संभावना है कि, प्रियंका गांधी वाड्रा को रायबरेली से कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली सीटों के उम्मीदवारों के नामों पर ''सस्पैन्स'' बनाया हुआ है। इन सीटों पर 20 मई को लोकसभा चुनावों के पांचवें चरण में मतदान होगा। प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा यद्यपि, अमेठी सीट पर दावेदारी पेश कर रहे हैं, लेकिन, पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि, अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली से प्रियंका अपने नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान

- **हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि, प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी या नहीं।**
- **रायबरेली और अमेठी में पांचवे चरण में मतदान होगा और कांग्रेस ने इन दोनों सीटों पर सस्पैंस बना रखा है।**
- **किन्तु चर्चा है कि, प्रियंका गांधी रायबरेली और राहुल गांधी अमेठी से नामांकन दाखिल कर सकते हैं।**
- **सूत्रों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी ने वरूण गांधी के समक्ष रायबरेली से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा, जिसे वरूण ने विनम्रता से ठुकरा दिया। क्योंकि उनके अपने ''कज़न्स'' के साथ अच्छे संबंध हैं।**

पूर्ण होने के बाद, राहुल और प्रियंका के क्रमशः अमेठी और रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल करने की संभावना है।

पहले चरण में कम मतदान होने के कारण, भाजपा पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना है। इस फीडबैक के बाद, कांग्रेस नेतृत्व, उत्तर प्रदेश की सभी 17 सीटों पर, जहां से वे चुनाव लड़ रहे हैं, मजबूती से चुनाव लड़ना चाहता है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि, राहुल और प्रियंका, दोनों के चुनावी मैदान में उतरने से मतदाताओं में जोश आ जायेगा और इससे अमेठी व रायबरेली की निकटवर्ती सीटों में भी, इंडिया ब्लॉक

(शेष पृष्ठ 5 पर)

चुनाव आयोग ने भाजपा को नोटिस दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रेल। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के स्टार प्रचारक हैं। राजस्थान में उनके भाषणों के संदर्भ में उनके नाम का सीधे उल्लेख किए बगैर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर चुनाव आयोग ने गुरुवार को इस मामले में भाजपा के अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है तथा इसी प्रकार आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के

- **हेट स्पीच के मसले पर दिए गए इस नोटिस में डिफॉल्टर के तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम नहीं है। आयोग ने एक नोटिस कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को भी भेजा है।**

मामले में कांग्रेस अध्यक्ष को भी अलग से एक नोटिस जारी किया गया है और दोनों पार्टियों के अध्यक्षों से सोमवार को सुबह 11 बजे तक नोटिसों का जवाब मांगा है।

आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को प्रेषित नोटिस में इस बात का हवाला दिया है कि उन्हें कांग्रेस के साथ ही सी.पी.आई. एवं सी.पी.आई.

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बहुचर्चित बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर हुआ बड़ा खेल

वोटिंग से एक दिन पहले आर.एल.पी. का भाजपा को समर्थन का ऐलान

जैसलमेर, 25 अप्रेल (नि.सं.)। राजस्थान में दूसरे चरण में 13 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार 26 अप्रेल को मतदान होगा। मतदान से ठीक एक दिन पहले गुरुवार को बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर हुए एक बड़े सियासी घटनाक्रम में हनुमान बेनीवाल की पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाजपा को समर्थन दिया। हालांकि, अभी हनुमान बेनीवाल की तरफ से इसको लेकर कोई बयान नहीं आया है। ज्ञातव्य है कि, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आर.एल.पी. में गठबंधन हुआ है।

इसी क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से आर.एल.पी. सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल को नागौर से प्रत्याशी बनाया गया। नागौर में पहले चरण के दौरान वोटिंग हो चुकी है।

बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर मतदान के ठीक एक दिन पहले गुरुवार को, आर.एल.पी.के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी को समर्थन देने का ऐलान किया है। उधर, कैलाश चौधरी ने हनुमान बेनीवाल और आर.एल.पी. कार्यकर्ताओं का आभार

- **हालांकि, बताया जा रहा है कि, क्षेत्र के कुछ पदाधिकारियों ने ही यह कदम उठाया है, अभी तक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल की तरफ से कोई अधिकृत बयान नहीं आया।**
- **राजनैतिक विश्लेषकों का मत है कि, इससे रविन्द्र सिंह भाटी की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जबकि, अभी तक उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही थी।**
- **ज्ञातव्य है कि, आर.एल.पी. के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से नागौर से चुनाव लड़ा है। बाड़मेर में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के इस कदम पर सभी स्तब्ध हैं।**
- **बाड़मेर-जैसलमेर सीट से भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, कांग्रेस ने उम्मेदाराम बेनीवाल को टिकट दिया है, इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र भाटी भी मैदान में हैं, जो एक प्रबल प्रत्याशी माने जा रहे हैं।**

भी जताया है।

कैलाश चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर आर.एल.पी. कार्यकर्ताओं के साथ फोटो शेयर की और लिखा कि, आज बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा क्षेत्र के रालोपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रहित में भाजपा को समर्थन दिया। मैं समस्त कार्यकर्ताओं व सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल का धन्यवाद देता हूं। इस सियासी खेल के बाद कांग्रेस और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

आरोपी ट्रेनी एस.आई. सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, आज सुनवाई

जयपुर, 25 अप्रेल। एस.आई. भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में 11 ट्रेनी एस.आई. व एक कांस्टेबल सहित 12 आरोपियों को सशर्त रिहा करने वाले जयपुर मेट्रो-द्वितीय के चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सी.एम.एम.)

- **एस.आई. भर्ती, 2021, पेपरलीक केस में हाई कोर्ट ने आरोपी ट्रेनी एस.आई. की रिहाई पर रोक लगा दी तो, आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर की।**

के आदेश पर रोक लगाने वाले हाईकोर्ट के आदेश को आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में स्पैशल लीव पिटिशन (एस.एल.पी.) के जरिए चुनौती दी है, जिस पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

आरोपियों के अधिवक्ता वेदांत शर्मा ने बताया कि स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सत्येन्द्र गोवर्धन दास पित्रोदा एक ''एक्सपायरी डेट'' वाली दवा से पुनः महत्व पाना चाहते हैं?

चालीस साल पहले पित्रोदा ने राजीव गांधी के सलाहकार के रूप में पांच टैक्नोलॉजिकल मिशन चालू कराकर देश में टैलिकॉम क्रांति लाने का भारी काम किया था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। विरासत कर को पुनः लागू करने को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस कर का प्रस्ताव किसी अन्य ने नहीं बल्कि गुजरे ज़माने के टैक्नोलॉजी दिग्गज सैम पित्रोदा ने दिया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस इन चुनावों में कितनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दे रही है।

सैम पित्रोदा ने राजीव गांधी के सलाहकार के रूप मे एक विलक्षण प्राथमिक भूमिका निभायी थी। उन्होंने भारत के आधुनिकीकरण के लिए ''फाइव मिशन मोड'' का विचार प्रस्तुत किया था, इनमें से टेलीकॉम मिशन ने एक ट्रांसफॉर्मेशन एजेन्ट के रूप में काम किया था।

- **टैलिकॉम रैवोल्यूशन की सफलता से भी भारत में आई.टी. सैक्टर चमका। पर, आज ''सैम'' पित्रोदा, पुरानी प्रसिद्धि व महत्ता पुनः प्राप्त करना चाहते हैं, ''एक्सपायरी डेट'' वाली गोली से।**
- **रूस व चीन ने यह रास्ता अपनाया था, स्टालिन व माओ के समय तथा इससे इन देशों की इकॉनमी को भारी धक्का लगा था, भारी नुकसान हुआ था।**
- **इंगलैण्ड में भी इस सोच को त्यागना पड़ा था, क्योंकि कालान्तर में कई धनाढ्य परिवारों की सम्पत्ति भारी इन्हैरिटैन्स टैक्स की देनदारी के के कारण धीरे-धीरे खत्म हो गयी थी तथा जितना टैक्स इकट्ठा नहीं हुआ, उनसे ज्यादा तो पैसे टैक्स उगाहने में खर्च हो गए।**
- **आज के युग में जबकि, ''इनोवेशन'' व ''स्टार्टअप'' सफलता का मंत्र है, ''इन्हैरिटैन्स टैक्स'' का सोच, वाकई में ''एक्सपायरी डेट'' की दवाई है।**

पित्रोदा ने सी. डॉट (सैन्टर फॉर डैवलपमैंट ऑफ टेलीमैटिक्स) स्थापित किया था। इसके तहत देश के दूरस्थ स्थलों में टेलीकॉम सेवाओं के विस्तार के लिए अनुसंधान और विकास परियोजनाएं चलायीं गईं। उन शुरुआती दिनों में सी. डॉट ने कुछ मूलभूत अनुसंधान किए थे, जो भारत के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक थे।

उनके बाद टेलीकॉम सेवाओं पर मिनिस्ट्री ऑफ टेलीकम्युनिकेशन के एकाधिकार जैसा शिकंजा समाप्त कर टेलीकॉम सेवाओं का उदारीकरण किया गया, जिससे देश में टेलीकॉम क्रांति का सूत्रपात हुआ। टेलीकॉम सैक्टर के उदारीकरण के बिना आई.टी. क्रांति और भारत का एक आई.टी. सुपर पावर के रूप में उदय संभव नहीं था।

उन दिनों के बाद सत्येन्द्र गोवर्धनदास पित्रोदा, जिन्हें सैम के नाम से अधिक जाना जाता है, पुनः अमेरिका चले गए थे। करीब चालीस साल पहले देश की तकनीकी में सैम पित्रोदा ने जो काम किया उसी के आधार पर वे ऐसे पुराने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'शराब घोटाले के कर्ताधर्ता अरविंद केजरीवाल'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रेल। प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) द्वारा गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपनी 734 पेज के एफिडेविट में कहा है कि तथाकथित दिल्ली की आबकारी नीति के घोटाला से उत्पन्न आपराधिक आय का सबसे

- **ई.डी. ने सुप्रीम कोर्ट में दायर चार्ज शीट में कहा है कि, इस घोटाले में आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा पैसा बनाया है, जिसका इस्तेमाल गोवा चुनाव में किया गया था।**

बड़ा फायदा आम आदमी पार्टी ने प्राप्त किया है और इस कड़ी में काले धन को सफेद बनाने का अपराध आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने किया

(शेष पृष्ठ 5 पर)